नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक चित्तोडगढ पंकज यादव ने वाड़ी परियोजना अन्तर्गत किये गए कार्यो का निरीक्षण
स्वयं सहायता समुह की महिलाओ को उन्नत चुल्हे वितरित

बांसवाडा 28.02.2015

नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक चित्तोडगढ पंकज यादव ने जिले मे ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमो का अवलोकन किया गया। पंकज यादव ने जिले के नानी का सात व डुगरीपाडा गांवो मे किसानो द्वारा लगाई गई वाड़ी योजना अंतर्गत् फलदार पौधा, वाणिकी पौधो की वाड़ीया देखी तथा किसानो से रूबरू होकर वास्तविक स्थिति का पता किया। इसके साथ परियोजना अंतर्गत् किये गये जल संरक्षण, फसल सुधार कार्यक्रमो आदि कार्यो का अवलोकन किया। नानीकासात गांव के किसानो कुरा भाई एवं हिरा भाई ने बताया कि दो साल पूर्व इस दो बीधा जमीन पर हम केवल मक्का की फसल लेते थे हमने नाबार्ड वाड़ी परियोजना की मदद से जल प्रंबन्धन कार्य किये तथा अनार व नींबु की वाडी लगाई जिसमें वर्तमान में 80 पौधे जीवित है तथा इस जमीन पर हम सब्जी की खेती कर रहे है। जिससे हमे 45000 की आमदनी हुई इसी प्रकार डुगरीपाडा के किसान सोहन व शंकर आदी ने अपनी वाड़ी परियोजना के अनुभव बताये।

इससे पश्चात डुगरीपाडा मे स्वयं सहायता समुह की महिलाओ का जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमे यादव ने कहा कि महिलाए स्वयं सहायता समुह से जुडकर आय उत्पादन गतिविधियो से जुडकर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबुत कर सकती है ।

इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि विकास की मुख्य धारा से जुड़कर जनजाति भाईयों का विकास संभव है, यदि हम स्वयं आगे बढ़कर जागरूक होकर सरकार व नाबार्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ से जुड़े तथा ज्ञान योग्य बातें समझकर अपने जीवन में अमल करना करे तो हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकते है।

इस अवसर पर ग्रामीण .विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर ने अतिथियो एवं किसानो का स्वगत करते हुए बताया कि ग्रामीण .विकास ट्रस्ट विगत् 17 वर्षो से भारत वर्ष के 7 राज्यो मे जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। बांसवाड़ा मे संस्था द्वारा वर्तमान मे नाबार्ड द्वारा अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व जल ग्रहण विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। तोमर ने कहा कि आत्मनिर्भरता के लिये महिला समूह से जुड़कर विभिन्न आय अर्जीत गतिविधियो को अपना कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिती को सुदृढ़ कर विकसित राश्ट्र के सपने को साकार करना होगा।

इस अवसर पर नरेन्द्र नागर, अनिल जैन ,शंकर आदि उपस्थित हुए ।

एच.के .तोमर
ग्रामीण .विकास ट्रस्ट बांसवाडा

Media Coverage

दैनिक नवज्योति

4 | उदयपुर ■ 1 मार्च 2015 ■ रविवार | बांसवाड़ा-डूंगरपुर

बांसवाड़ा। ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास परियोजना का अवलोकन करते एवं दूसरे चित्र में महिलाओं को गैस चूल्हे वितरित करते चित्तौड़गढ़ नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक पंकज यादव। -दीपक भारत श्रीमाल

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उन्नत चूल्हे वितरित

वाड़ी परियोजना के कार्यों का किया निरीक्षण

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बांसवाड़ा

चित्तौड़गढ़ नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक पंकज यादव ने जिले में ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन किया। पंकज यादव ने जिले के नानी का खात व डूंगरीपाड़ा गांवों में किसानों द्वारा लगाई गई वाड़ी योजना के अंतर्गत फलदार पौधे तथा वानिकी पौधों की वाड़ियां देखी तथा किसानों से रूबरू होकर वास्तविक स्थिति का पता किया। इसके साथ परियोजना अंतर्गत किये गये जल संरक्षण, फसल सुधार कार्यक्रमों आदि कार्यों का भी अवलोकन किया। नानी का खात गांव के किसान [illegible] ने बताया कि दो साल पूर्व इस दो बीघा जमीन पर वह केवल मक्का की फसल ही लेते थे, लेकिन नाबार्ड वाड़ी परियोजना की मदद से जल प्रबन्धन कार्य किये तथा अनार व नींबू की वाड़ी लगाई, जिसमें वर्तमान में 80 पौधे जीवित है तथा इस जमीन पर अब वे सब्जी की खेती भी कर रहे है, जिससे उन्हें 45000 की आमदनी हुई। इसी प्रकार डूंगरीपाड़ा के किसान सोहन व शंकर आदी ने अपनी वाड़ी परियोजना के अनुभव बताये। इससे पश्चात डूंगरीपाड़ा में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे यादव ने कहा कि महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ कर आय उत्पादन गतिविधियो से जुड़कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती है। इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि विकास की मुख्य धारा से जुड़ कर ही जनजाति भाईयों का विकास संभव है, यदि हम स्वयं आगे बढ़कर जागरूक होकर सरकार व नाबार्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ें तथा ज्ञान योग्य बातें समझकर अपने जीवन में अमल करें, तो हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकते है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर ने अतिथियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट विगत् 17 वर्षों से भारत वर्ष के 7 राज्यों में जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। बांसवाड़ा मे संस्था द्वारा वर्तमान मे नाबार्ड द्वारा अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व जल ग्रहण विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। इस अवसर पर नरेन्द्र नागर, अनिल जैन, शंकर आदि उपस्थित हुए। शिविर में महिलाओं को 50 उन्नत चूल्हे वितरित किये गए।

वाड़ी विकास कार्यों का लिया जायजा

राजस्थान पत्रिका

बांसवाड़ा, रविवार, 01 मार्च 2015

दैनिक भास्कर

बांसवाड़ा, सोमवार 2 मार्च, 2015

नाबार्ड के अधिकारियों ने वाड़ी परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया

नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक यादव ने वाड़ी परियोजना के कार्यों का किया निरीक्षण

स्वयं सहायता समुह की महिलाओ को उन्नत चुल्हे वितरित किए

बांसवाड़ा। नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक चित्तौड़गढ़ पंकज यादव ने जिले में ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन किया। यादव ने जिले के नानी का सात व डुंगरीपाड़ा गांवो मे किसानो द्वारा लगाई गई वाड़ी योजना अर्थात् फलदार पौधे, वानिकी पौधो की वाड़ीया देखी तथा किसानो से रूबरू होकर वास्तविक स्थिति से अवगत हुए। साथ ही परियोजना अतर्गत किये गये जल संरक्षण, फसल सुधार कार्यक्रमो आदि कार्यो का अवलोकन किया। नानी का सात गांव के किसान कुरा भाई एवं हिरा भाई ने बताया कि दो साल पूर्व इस दो बीघा जमीन पर हम केवल मक्का की फसल लेते थे हमने नाबार्ड वाड़ी परियोजना की मदद से जल प्रबन्धन कार्य किये तथा अनार व नींबु की वाड़ी लगाई जिसमें वर्तमान में 80 पौधे जीवित है तथा इस जमीन पर हम सब्जी की खेती कर रहे है। जिससे हमे 45000 की आमदनी हुई। इसी प्रकार डुंगरीपाड़ा के किसान सोहन व शंकर आदी ने अपनी वाड़ी परियोजना के अनुभव बताये।

जागरूकता शिविर आयोजित

बांसवाड़ा। डुंगरीपाड़ा मे स्वयं सहायता समुह की महिलाओ का जागरूकता शिविर आयोजित किया गया जिसमे यादव ने कहा कि महिलाए स्वयं सहायता समुह से जुड़कर आय उत्पादन गतिविधियो से जुड़कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबुत कर सकती है। इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि विकास की मुख्य धारा से जुड़कर जनजाति भाईयों का विकास संभव है, यदि हम स्वयं आगे बढ़कर जागरूक होकर सरकार व नाबार्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ से जुड़े तथा ज्ञान योग्य बातें समझकर अपने जीवन मे अमल करना करे तो हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकते है।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हीरेन्द कुमार तोमर ने अतिथियो एवं किसानो का स्वागत करते हुए बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट विगत 17 वर्षों से भारत वर्ष के 7 राज्यो मे जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। बांसवाड़ा मे संस्था द्वारा वर्तमान मे नाबार्ड द्वारा अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व जल ग्रहण विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। इस अवसर पर नरेन्द्र नागर, अनिल जैन, शंकर आदि उपस्थित हुए। शिविर मे महिलाओ को 50 उन्नत चुल्हे वितरित किये गए।

Glimpses of the Event